(ग) वर्ष 1985–86 के दौरान मुख्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत अखिल भारतीय तथा राजस्थान हेतु निधियों का केन्द्रीय आवंटन :

(लाख रुपयो में)

	अखिल भारत	राजस्थान
स० ग्रा० वि० का०	20593.42	793.82
रा० ग्रा० रो० का०	23000.00	550.00
ग्रा० भू० रो० गा० का० . . .	49400.00	931.00
सू० संभा० क्षेत्र का०	3690.00	180.00
रु० विकास का०	800.00	548.00

फसल बीमा योजना के अधीन फसलें

1645. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **कृषि और ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन फसलों के नाम क्या-क्या हैं जिनका फसल बीमा योजना के अधीन बीमा किया जा सकता है ;

(ख) सरकार ने योजना को लागू करने के लिए क्या कदम उठाये हैं और इसमें अब तक कितनी प्रगति हुई है ;

(ग) क्या कपास, गन्ना और तम्बाकू की फसलों को इस योजना में शामिल किये जाने की सम्भावना है ;

(घ) क्या इस सम्बन्ध में कुछ आवेदन प्राप्त हुये हैं ; और

(ङ) क्या सरकार ने उन पर कोई निर्णय ले लिया है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर) : (क) मौजूदा बृहत फसल बीमा योजना के अन्तर्गत धान, गेहूं, कदन्न, दलहन और तिलहन का बीमा किया जाता है ।

(ख) 1 मई, 1985 को क्रियान्वयन नरीकों पर राज्यों के कृषि और सहकारिता विभागों के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया था और 17 जुलाई, 1985 को एक समीक्षा बैठक की गई थी । राज्य सरकारों को योजना को क्रियान्वित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किये गये है । अभी तक 16 राज्यों और तीन संघ राज्य क्षेत्रों ने खरीफ 1985 से योजना को क्रियान्वित करने के लिए कार्यवाही की है ।

(ग) इस योजना में कपास, गन्ना और तम्बाकू को शामिल करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(घ) महाराष्ट्र सरकार ने फसल बीमा योजना में कपास को शामिल करने का सुझाव दिया है । इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार ने भी इस योजना में गन्ना तथा आलू को शामिल करने का सुझाव दिया है ।

(ङ) जी, नहीं ।

Opening of Central pathological laboratory for ESI group of Hospitals in West Bengal

1646. SHRI RAMKRISHNA MAZUMDER:
SHRI AMARPROSAD CHAKRABORTY:

Will the Minister of LABOUR be *pleased to state:*

(a) whether Government have received any representation on the 22nd

February, 1985 from the Labour Department, Government of West Bengal with a proposal for opening of Central Pathological Laboratory for ESI Group Hospitals;

(b) whether the proposal has been considered; and

(c) if not, what are the reason therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI T. ANJAIAH). (a) to (c) The Government of West Bengal had submitted a proposal to the ESI Corporation sometime in 1982 for opening a Central Pathological Laboratory for ESI Group of Hospitals and the same was under examinaton. The State Government have, hawever, since informed the Corporation that there has been some re-thinking on the proposal and they are now considering some alternative arraingement.

Second Channel for Calcutta TV

1647. SHRI AMARPROSAD CHAKRABORTY:
SHRI RAMKRISHNA MAZUMDER:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether he stated that second channel for the Calcutta T.V. will be introduced soon, if so, by when the second channel in Calcutta T.V. will be introduced; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI V.N. GADGIL): (a) Yes, Sir. It is expected that the second channel TV service at Calcutta shall commence in the current year itself.

(b) Does not arise.

राजकोट गुजरात में दूरदर्शन ट्रांसमीटर

1646. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजकोट (गुजरात) में कितने किलोवाट का दूरदर्शन हाईपावर ट्रांसमीटर लगाया गया है, और इससे कितने किलोमीटर क्षेत्र में प्रसारण किया जा सकता है ;

(ख) क्या धांगध्रा, जो कि 125 किलोमीटर क्षेत्र के अन्तर्गत आता है, में दूरदर्शन कार्यक्रम साफ दिखलाई पड़ते हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि धांगध्रा में एक मिलीटरी कैम्प है और यदि हां, तो क्या सुरक्षा की दृष्टि से वहां पर 2 कि० वा० का प्रसारण केन्द्र खोला जाना उचित है ।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वि० एन० गाडगिल) : (क) राजकोट में स्थापित दूरदर्शन ट्रांसमीटर 10 कि० वा० शक्ति का है तथा इसकी सेवा परिधि लगभग 120 किलोमीटर है ।

(ख) धांगध्रा (धंध्रा के रूप में उल्लिखित) राजकोट के ट्रांसमीटर के सेवा क्षेत्र के किनारे पर पड़ता है तथा संग्रहण, विशेषकर विषम मध्यवर्ती भू-भाग के कारण, कमजोर होने की उम्मीद की जाती है ।

(क) धांगध्रा में संग्रहण में सुधार संसाधनों की भावी उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

पुष्प विहार में दुकानों का आवंटन

1649. **श्रीमती उषा मल्होत्रा** : क्या **निर्माण और आवास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दक्षिण दिल्ली की पुष्पविहार कालोनी के किसी भी सेक्टर में बाजार की सुविधा नहीं है जिससे वहां के रहने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है ;